

The Telegraph

CALCUTTA FRIDAY 29 SEPTEMBER 2006

Maniktala-Beadon Street

● The north Calcutta pujas like Maniktala Chaltabagan Lohapatty and Nalin Sarkar Street manage to score high marks again, in keeping with the essence and norms of celebrating Durga puja. While Nalin Sarkar Sarbajonin manages to infuse an ethereal feel with optimum provisions, the Chaltabagan puja with its striking Surya Rath has turned out to be quite a crowd-puller equipped with adequate first-aid and safety measures and also proper seating arrangements for the aged.

আজকাল

১২ আশ্বিন ১৪১৩ শুক্রবার ২৯ সেপ্টেম্বর ২০০৬



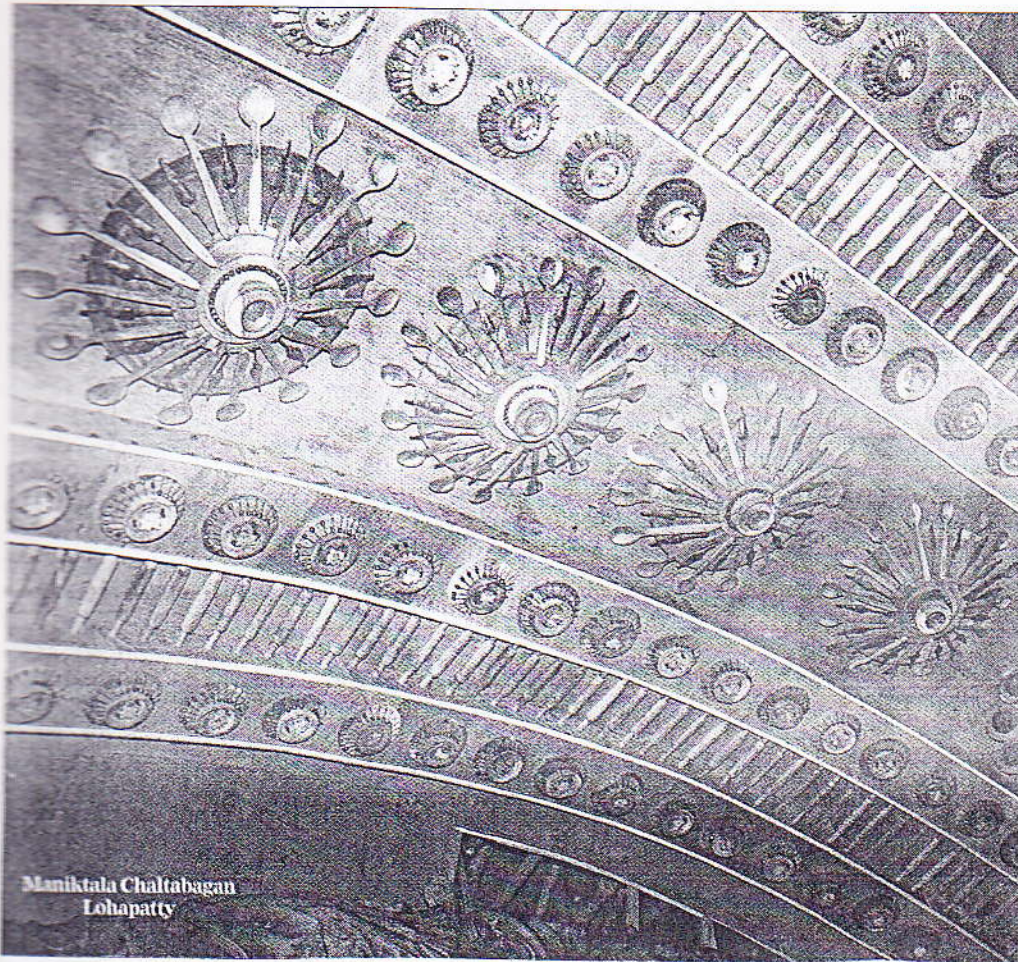
মুখ্যমন্ত্রীর ত্রাণ তহবিলে ৫৮ লাখ ৮২ হাজার টাকা

বন্যাপীড়িত মানুষের সাহায্যে বিভিন্ন প্রতিষ্ঠান, পূজো কমিটি এগিয়ে এসেছে। মহাকরণে মুখ্যমন্ত্রীর বিশেষ ত্রাণ তহবিলে বৃহস্পতিবার ৫৮ লাখ ৮২ হাজার টাকা জমা পড়েছে। বিশিষ্ট শিল্পপতি প্রসূন মুখার্জি দ্য নিউ কলকাতা ইন্ডাস্ট্রিয়াল ডেভেলপমেন্ট সংস্থা মুখ্যমন্ত্রী বুদ্ধদেব ভট্টাচার্যের হাতে ৫০ লাখ টাকার চেক তুলে দিয়েছেন। পশ্চিমবঙ্গ গণতান্ত্রিক মহিলা সমিতির নেত্রী রাজ্যের মন্ত্রী রেখা গোস্বামী ৫০ হাজার, মানিকতলা চালতাবাগান দুর্গাপূজো কমিটি ৫১ হাজার, কলকাতা নাগরিক সম্মেলন ১ লাখ, রাজ্য কো-অর্ডিনেশন কমিটি ৫ লাখ, এ বি টি এ ৫০ হাজার টাকা দিয়েছে। দক্ষিণ দমদম পুরসভা ২৫ হাজার টাকা, নিউ পল্লী পারফিউমারি ওয়ার্কস ১ লাখ টাকা দিয়েছে। ছবিতে মহাকরণে মুখ্যমন্ত্রীর হাতে ত্রাণের চেক তুলে দিচ্ছেন শিল্পপতি প্রসূন মুখার্জি। ছবি: মিঠু বসু

The Telegraph

CALCUTTA FRIDAY 29 SEPTEMBER 2006

Sights & sounds



Maniktala Chaltabagan Lohapaty

Innovation is the strong point of Chaltabagan Lohapaty with pandal-hoppers waiting for this puja to spring a surprise every year.

A 45-ft-high wooden chariot designed like the Surya Rath has been erected for the 64th year of this puja. The colossal chariot houses Durga and her children, drawn by four giant horses, each 17-ft in height.

A 6-ft tall *savathi* (chariot driver) in the driver's seat is seen clutching the horses' reins. The entire structure has been chiselled out of wood and plywood.

For embellishments on the walls and ceiling, Dipti Decorators from Contai have used articles like bowls, ladles, spoons, rolling pins, plates, forks, knives, axes and nutcrackers in wood, stone, copper, bronze and steel, depicting the evolution of man. The Durga has been moulded in the manner of south Indian gods by Kashinath Pal.

"Our puja is famous for its novelty and it is always challenging to try out themes and concepts that no one's attempted before," says Sundeep Bhutoria, chairman, puja committee.

The Indian EXPRESS

JOURNALISM OF COURAGE

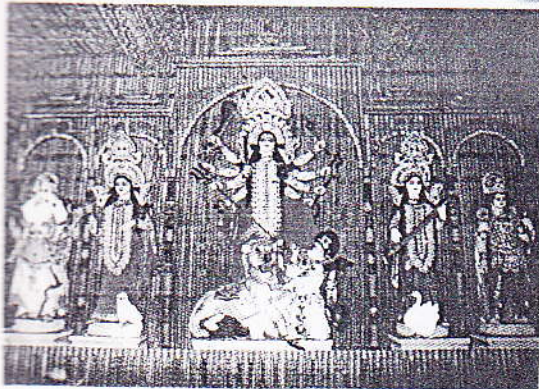
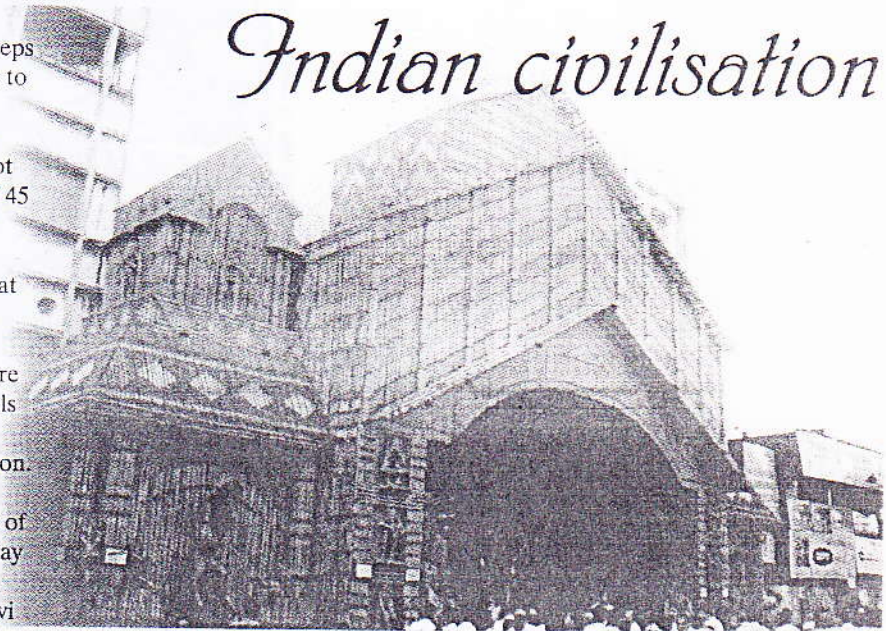
KOLKATA | SATURDAY | SEPTEMBER 30 | 2006

Pandal exhibits ancient

Indian civilisation

The 64-year-old puja of Chalta Bagan Lohapatty has unveiled some novel and interesting effects. The theme concentrates on evolution of human civilization. In the ancient age, early men gradually learnt the use of stone and other metals like copper, bronze and iron. Man also discovered fire that marked the dawn of new civilization. He has never looked back since then and the puja organizers are all out to

recall the different steps of human civilization to the viewers. The pandal is in the form of a huge chariot soaring at a height of 45 ft and there are four horses of 20 ft long pulling the chariot that symbolise the fastest transport of age-old India. The interiors are adorned with materials like wood, stone, copper, bronze and iron. The backdrop of the image has been made of Plaster of Paris and clay with a wooden finish. The jewellery of Devi



are of clay that appear like wooden finished stuff. The image is a traditional one and flaunts south Indian style.

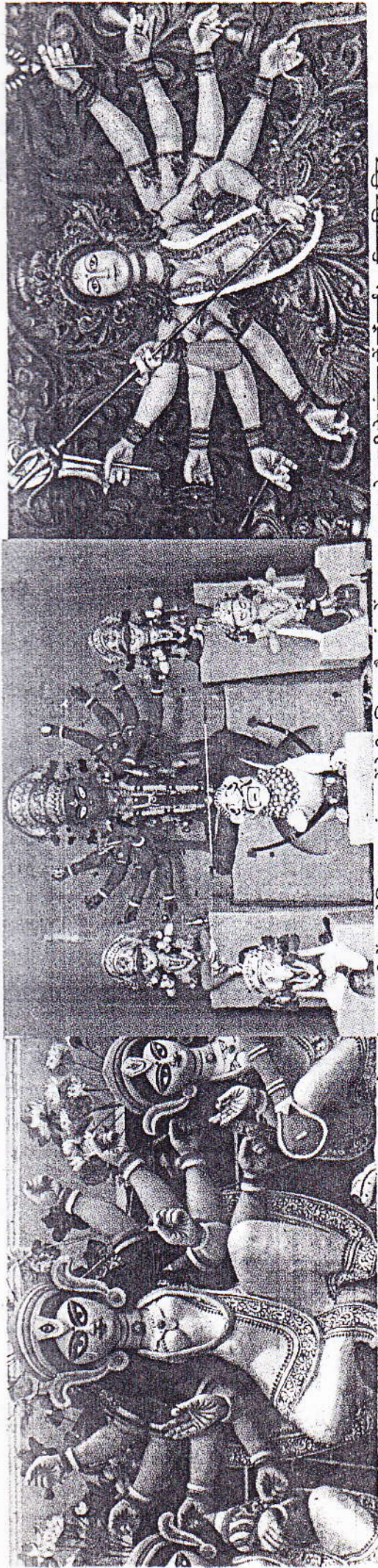
The light arrangements comprise bluish white to give a moonlight effect that makes Durga and her family appear prominent at moonlight

night. This is an award-winning puja that has captured the attention of the pandal hoppers since inception. "We are confident that people will get to view something innovative in our pandal this time. An aura will be recreated that Devi has come down to earth through

this Rath of human civilisation. If viewers are satisfied, then we will feel contented", says Ashoke Jaiswal, Secretary of the puja committee.

Chalta Bagan Lohapatty
Sarbojanin Durgapuja

LOCATION : Near
Vivekananda Rd & Raja
Rammohan Sarani Crossing



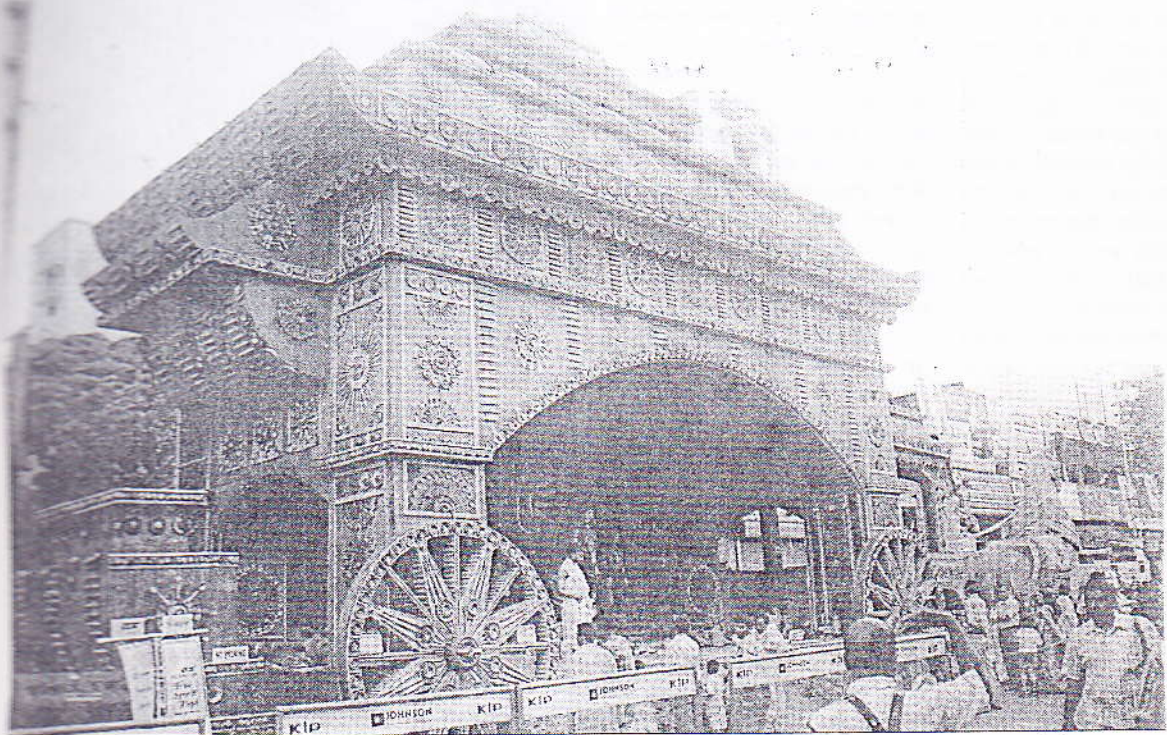
य कोलकाता के एक पूजा पंडाल में विराजमान मा भगवती, ढाकुरिया के सलीमपुर पल्ली में आयोजित पूजा पंडाल में देवी प्रतिमा और अंत में चलता बगान लोहापट्टी के पंडाल में माँ दुर्गा । - विश्वमित्र चित्र

दैनिक विश्वमित्र

कोलकाता, ३० सितम्बर २००६ / १०

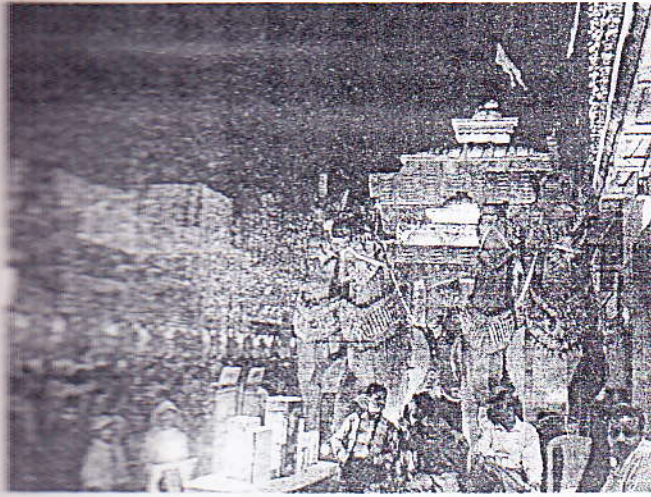
जनसत्ता

कोलकाता शनिवार ३० सितंबर २००६



बंगलाबासान (लोहापट्टी) के पंडाल का नजारा।

फोटो : जनसत्ता



चलताबागान लोहापट्टी की आलोक सजा।

चलताबागान लोहापट्टी पूजा कमेटी सम्मानित

फिनोलेक्स आलोक सुरक्षा सम्मान के लिए चयनित

कोलकाता, 29 सितम्बर (कासं.)। फिनोलेक्स केबल्स लिमिटेड ने मानिकतला चलताबागान लोहापट्टी दुर्गा पूजा कमेटी को फिनोलेक्स आलोक सुरक्षा सम्मान देने की घोषणा की। सी.ई.एस.सी. तथा कोलकाता पुलिस के सहयोग से दिए जाने वाले इस सम्मान में वैद्युतिक साज सजा तथा अग्नि सुरक्षा को महत्वपूर्ण आधार बनाया गया है। फिनोलेक्स केबल्स के उपाध्यक्ष (विपणन) जी.के.बनर्जी ने कमेटी के सदस्यों को यह सम्मान प्रदान किया। सम्मान के तहत कमेटी को एक लाख रुपए, ट्रॉफी तथा प्रमाणपत्र दिए गए। इस पंडाल में वैद्युतिक साज-सजा के लिए इलेक्ट्रिशियन ए. नदी

इलॉकट्रकल को फिनोलेक्स इलेक्ट्रोजिनियस के पुरस्कार के तहत 10 हजार रुपए तथा प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। 41 पल्ली क्लब, हरिदेवपुर को फिनोलेक्स चैलेंजर सम्मान मिला। कमेटी को 50 हजार रुपए का चेक, ट्रॉफी तथा प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। अंजु बोस को फिनोलेक्स इलेक्ट्रोकिंग पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके तहत पांच हजार रुपए दिए गए। इसके अतिरिक्त बेहला कल्च सार्वजनीन दुर्गात्सव कमेटी, 25 पल्ली सार्वजनीन दुर्गात्सव कमेटी, दमदम पार्क तरुण संघ पूजा कमेटी तथा 66 पल्ली सार्वजनीन दुर्गात्सव कमेटी को फिनोलेक्स चैम्पियन अवार्ड दिया गया।

राजस्थान पत्रिका

कोलकाता > शनिवार > 30 सितम्बर, 2006

दर्शकों को लुभा रहे हैं पूजा पंडाल

कार्यालय संवाददाता

कोलकाता, 29 सितम्बर। उत्तर कोलकाता में मानिकतला चलताबागान लोहापट्टी फिनोलेक्स आलोक सुरक्षा का सम्मान प्राप्त करने के साथ ही दर्शनार्थियों को लुभाने में सफल रहा है। इसके साथ ही नलिन सरकार स्ट्रीट स्थित पूजा पंडाल भी दर्शकों को लुभा रहा है। नलिन सरकार सार्वजनिक दुर्गात्सव में पूजा के कई पहलुओं को उजागर किया गया है।

चलताबागान लोहापट्टी दुर्गात्सव कमेटी का सूर्य रथ लोगों को भीड़ खींचने में कामयाब रहा है। हेदुआ तालाब के पास

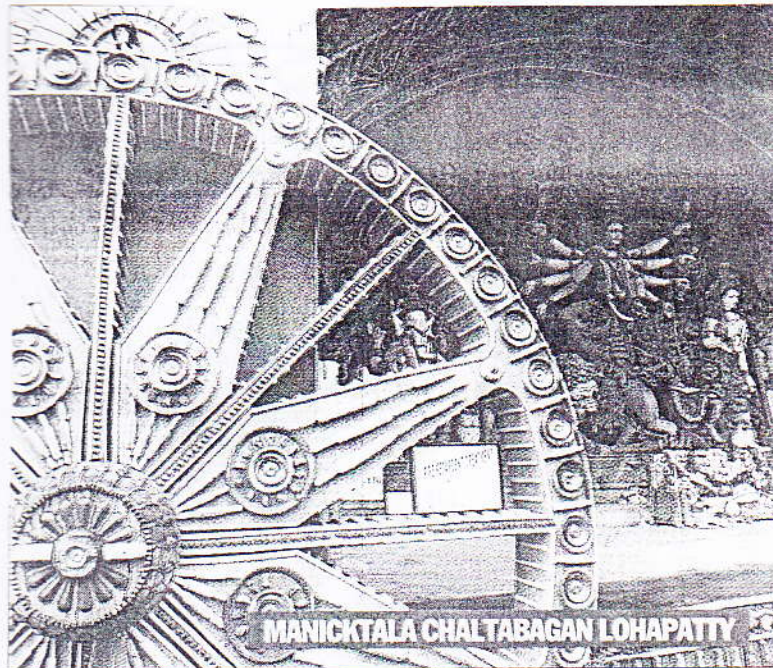
के आजाद हिंद बाग सार्वजनिक दुर्गात्सव भी लोगों को आकर्षित कर रहा है।

बिडेन स्ट्रीट सार्वजनीन में मां दुर्गा की पारंपरिक प्रतिमा बनाई गई है। इनकी ऊंचाई 12 फीट से अधिक है। मानिकतला स्थित तिकियापाड़ा सार्वजनीन द्वारा पंडाल को यात्री की सहायता से बनाया गया है। इसके अतिरिक्त शोभावाजार, बिडेन स्ट्रीट तथा अहिरीटोला में पारंपरिक रूप में मां की मूर्ति बनाई गई है। न्यू मार्केट इलाके में सुकिया स्ट्रीट में खुंदावन मैत्री पूजा में पंडाल का निर्माण बांभों की सहायता से किया गया है। मूर्ति पारंपरिक ढंग से बनाई गई है।

गम मनोहर स्मृति संघ का पंडाल पर्यावरण मित्रवत है। इसके निर्माण में समुद्र से निकलने वस्तुओं का इस्तेमाल किया गया है।

The Telegraph

CALCUTTA SUNDAY 1 OCTOBER 2006



FOUR STAR ▲

The pandal here, based on the Konark temple, is an immense chariot drawn by a quartet of horses rearing their heads skyward. The pandal, designed by Kashinath Pal, is made of ply and embellished with designs that use kitchen ware, including wooden spoons, rolling pins and even traditional kohl-holders.

The lane, lit up along its entire length with chains of blue and yellow bulbs in the evening, creates quite an effect. "These bulbs consume the least electricity," pointed out an organiser, earning a pat on the back from the CESC representative on the judge's panel, Dilip Samajpati.

The puja, which has a sterling record in the CESC The Telegraph True Spirit Awards qualifying in the finals for three years on the trot, had put up its traditional fire alarm — a huge bell. If the gong

sounds loud enough to summon all and sundry in an emergency, the loudspeaker nearby has a sound limiter fitted on to it.

The nurse was on duty at the medical counter next to an ambulance.

If inflammable materials like ply and bamboo had been used for the chariot that is the pandal, they had been treated with fire retardants first and the agency's contact number has been displayed for emergency purposes.

There are separate arrangements for those content to view Ma Durga from a distance while those wanting to do so from up close must enter through Vivekananda Park. The organisers have not forgotten the flood-affected in festive times, having just donated Rs 51,000 to the chief minister's relief fund.

Reward: Rs 15,000

Reaction: "We place the True Spirit Award recognition in high esteem. The amount will boost our round-the-year social work."

दैनिक जागरण

जमशेदपुर, रविवार

1 अक्टूबर, 2006

कोलकाता संस्करण

चुनिंदा पूजा पंडालों में उमड़े दर्शनार्थी

जागरण ब्यूरो, कोलकाता

प्रायः सभी पूजा पंडालों में दर्शनार्थियों की भीड़ उमड़ रही है, लेकिन कुछ चुनिंदा पूजा पंडालों व प्रतिमाओं को देखने के लिए लोगों में अधिक उत्सुकता है। उत्तर कोलकाता से लेकर दक्षिण कोलकाता और आस-पास के जिलों में बने पूजा पंडालों में सप्तमी और अष्टमी को भारी भीड़ हुई। खासकर जिन पंडालों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही उनमें हैं - मोहम्मद अली पार्क, कालेज स्क्वायर, संतोष मित्र स्क्वायर, दंपनारायण स्ट्रीट, पातीपुर नतून पल्ली का प्रदीप संघ, दमदम पार्क, भारत चक्र, दमदम पार्क युवक वृंद, श्री भूमि स्पोर्टिंग, साल्टलेक वीई (पूर्व) की पूजा। खिदिरपुर 74 पल्ली, 25 पल्ली, मिलन संघ (कंचितार्थ पार्क) खिदिरपुर के पदोपुर, बेहला क्लब, जोधपुर पार्क, 94 पल्ली, सलीमपुर पल्ली, बाबूबागान, एकडलिया एवग्रौन, सिंही पार्क, पार्कसर्कस मैदान, बोसपुर तालबागान, प्रगति पल्ली, मुकूल संघ, मानिकतला चलता बागान, पुटियारी क्लब, चक्रबेरिया, पल्ली उन्नयन समिति, पंचाननतला सार्वजनिक, आगरपाड़ा आगामी क्लब, एयर पोर्ट हाई नंबर गेट मोतीलाल कालोनी, एयर पोर्ट तीन नंबर गेट, राजबाड़ी, समबय आवासन सार्वजनिक, बीटी रोड के आड़ियादह के मौसमी, दीपशिखा, विवेकानंद सांस्कृतिक चक्र, मनसा बाग स्पोर्टिंग, विंध्यवासिनीतला, दिल्ली पाड़ा सार्वजनिक, दक्षिणेश्वर दालपीड़ी, बेलघरिया बसंत विहार आवासन, नौ नंबर सीआईटी क्वाटर्स, कमरहाटी किशोर संघ, नरेंद्रनगर स्पोर्टिंग और सिंथी साउथ एथलेटिक क्लब के पूजा पंडालों में लोगों की

अधिक भीड़ उमड़ी। जिन पूजा पंडालों को पुरस्कार मिला है उन्हें देखने की ललक लोगों में अधिक थी। खासकर श्रेष्ठ पूजा घोषित पातीपुर नतून पल्ली प्रदीप संघ पूजा को लोगों में देखने की उत्सुकता अधिक थी।

दैनिक
विश्वमित्र

सिर्फ पन्ने नहीं ढेर समाचार

कोलकाता, २ अक्टूबर २००६



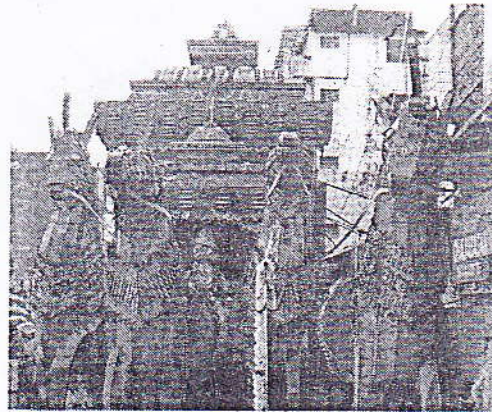
चलता बगान सार्वजनिक दुर्गात्सव का पूजा पंडाल।

राजस्थान

य एषु सुखेषु जागर्ति

पत्रिका

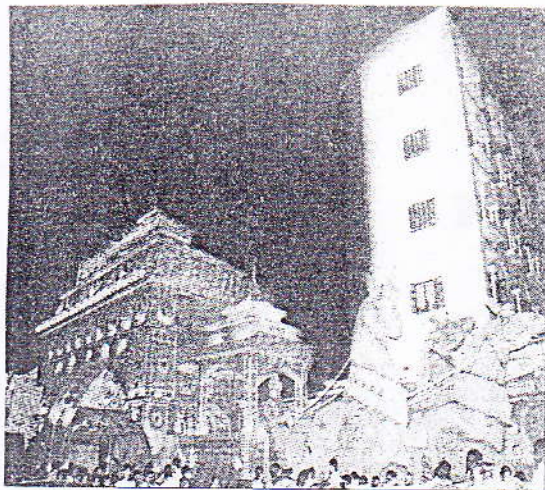
कोलकाता >> सोमवार >> 2 अक्टूबर, 2006



चलता बागान लोहापट्टी सार्वजनिक दुर्गात्सव कमेटी का पूजा पंडाल।

The Statesman

2
October
MONDAY
2006

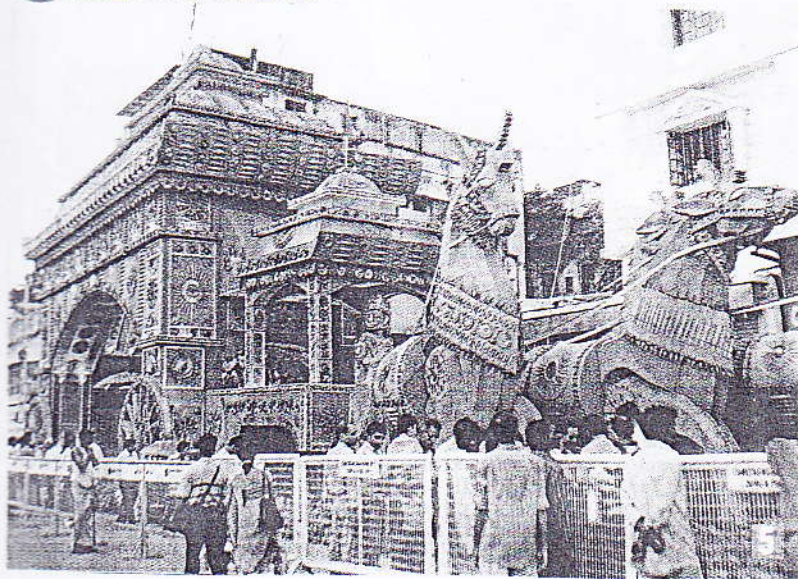


If you are in north Kolkata, visit the pandal (top) constructed by Manicktalla Chaltabagan Lohapatty Durga Puja committee. And are you a part of the puja organised by Ramkrishna Sevak Samity of Dover Terrace? There is a replica of the 16th century four-headed golden Durga (above) present at Kumari Mandir in Badgaon, Nepal.

Monday, October 2, 2006

Hindustan Times

5 Wheels of fortune The Chaltabagan pandal resembles a chariot



কলকাতা, শিলিগুড়ি, দুর্গাপুর থেকে একযোগে প্রকাশিত

গণশক্তি

৪০বর্ষ, ২৭২তম সংখ্যা ■ কলকাতা, ২রা অক্টোবর, ২০০৬, ১৫ই আশ্বিন, ১৪১৩ সোমবার ■



ভারতে সর্বাধিক প্রচারিত প্রথম শ্রেণির বাংলা দৈনিক

আনন্দবাজার পত্রিকা

কলকাতা ১৫ আশ্বিন ১৪১৩ সোমবার ২ অক্টোবর ২০০৬ শহর সংস্করণ

মহানবমীর জনশ্রোত



প্রকৃতি সঙ্ঘ
আহিরীটোলা
বাদামতলা
কোরটুলি
মদিয়ালি
শিবমন্দির
সেলিমপুর
চালুতাবাগান
হাতিবাগান
তেলেঙ্গাবাগান

১৫০০০	২০০০০	৩৫০০০
১০০০০	১৭০০০	৩০০০০
১০০০০	১৫০০০	২৫০০০
৮০০০	১২০০০	২০০০০
৮০০০	১০০০০	২০০০০
৭০০০	৯০০০	১৮০০০
৭০০০	৯০০০	১৭০০০
৭০০০	৯০০০	১৫০০০
৮০০০	৮০০০	১২০০০
৫০০০	৭০০০	১০০০০

সূত্র: কলকাতা পুলিশ

এমনিভাবেই ভিত্তি হয় বলে তালিকায় নেই একতালিয়া, ভেনুহোলা পার্ক, পার্ক সার্কাস, সিংহি পার্ক, বাগবাড়ার, মন্ডেল জাদি পার্ক, ম্যাড্রাস কোয়ার্টার, সোমপুর পার্ক, বানুবাগান।

ॐ ॥ श्री हरिः ॥ ॐ

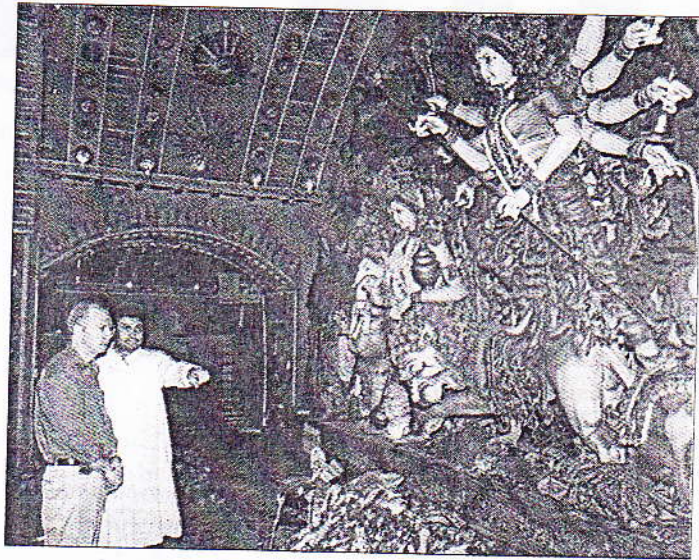
सन्मार्ग

नमोऽस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै नमोऽस्तुरुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुचन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः

कोलकाता, वर्ष 61, अंक 178, पूर्णांक 20983, आश्विन शुक्लपक्ष दशमी 10, वि. सं. 2063, सोमवार 2 अक्टूबर, 2006.



चलता बागान को स्थानमा पूजा मण्डप



TAKE A LOOK: Sundeep Bhutoria shows US consul-general Henry V. Jardine around the Manicktala Chaltabagan Lohapatty puja

4

THE TELEGRAPH NORTH CALCUTTA
FRIDAY OCTOBER 13, 2006

ॐ ॥ श्री हरिः ॥ ॐ

सन्मार्ग

नमोऽस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै नमोऽस्तुरुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुचन्द्रार्कमरुद्गणेभ्य
कोलकाता, वर्ष 61, अंक 192, पूर्णांक 20997, कार्तिक कृष्णपक्ष एकादशी 11 वि. सं. 2063, मंगलवार 17 अक्टूबर, 2006.

बीएसएनएल ने पूजा कमेटियों को सम्मानित किया

कोलकाता, 16 अक्टूबर (नि.प्र.)। बीएसएनएल द्वारा आज कलकता टेलीफोन्स शारद सम्मान में भाग लेने वाली पूजा कमेटियों को सम्मानित किया गया। बीएसएनएल के ग्राहक सम्पर्क और विक्रय विभाग के महाप्रबंधक एस.के.भादुड़ी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 100 पूजा कमेटियों ने भाग लिया था जिनमें से मानिक तल्ला के चलता बागान, लोहा पट्टी (565)को प्रथम, सुरुचि संघ (400) को द्वितीय व खिदिरपुर

पल्ली शारोटिया(449) को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा खिदिरपुर निवासी मानस कुमार पौरन को टॉप कॉलर के रूप में 15 हजार रुपये दिये गये। उन्होंने बताया कि प्रथम पुरस्कार विजेता को 50 हजार 1 रुपये, द्वितीय पुरस्कार विजेता को 20 हजार एक रुपये व तृतीय पुरस्कार विजेता को 10 हजार एक रुपये की राशि एवं एक ट्राफी दी जायेगी। इसके अलावा अन्य 100 कॉलरों को भी पुरस्कृत किया गया।

আজকাল

৩০ আশ্বিন ১৪১৩ মঙ্গলবার ১৭ অক্টোবর ২০০৬ কলকাতা

পুজোর সেরা বাছল বি এস এন এল

আজকালের প্রতিবেদন: বি এস এন এল শারদ সন্মান ঘোষিত হল সোমবার। কলকাতায় টেলিফোন ভবনে উপস্থিত ছিলেন কলকাতা টেলিফোনসের পি জি এম সুদীপ্ত চ্যাটার্জি এবং জেনারেল মানেজার (সি আর অ্যান্ড সেল্‌স) এস কে ভাদুড়ী। কলকাতা, হাওড়া এবং সল্টলেকের মধ্যে ১০০টি পুজো মণ্ডপকে বেছে নিয়ে প্রতিটি মণ্ডপকে কোড নম্বর দেওয়া হয়। গ্রাহকেরা মোবাইল থেকে ফোন করে বা এস এম এস পাঠিয়ে তাঁদের পছন্দের সেরা পুজো বেছে নেন। প্রথম পুরস্কার পেল মানিকতলা চালাতাবাগান লোহাপাট্টা।

তাদের ৫০ হাজার টাকা এবং ট্রফি দেওয়া হবে। দ্বিতীয় সেরা সুরুচি সন্ম পাবে ২০ হাজার টাকা এবং ট্রফি। তৃতীয় সেরা খিদিরপুর পরী শারদীয়াকে দেওয়া হবে ১০ হাজার টাকা এবং ট্রফি। বি এস এন এল এই প্রথম সেরা পুজো বেছে নেওয়ার আয়োজন করেছিল। সবচেয়ে বেশি ফোন বা এস এম এস করার জন্য খিদিরপুরের হেমচন্দ্র স্ট্রিটের বাসিন্দা মানস পোড়েল ১৫ হাজার টাকা পুরস্কার পাবেন। লটারিতে আরও ১০০ জন গ্রাহককে বেছে নেওয়া হয়েছে। তাঁরা ১ হাজার টাকার আই টি কার্ড বা মোবাইলের রিচার্জ ভাউচার পাবেন।